नकद आभूषण व कीमती सामान कहां हो रखने का स्थान

हर, दुकान या अन्य स्थानों में तिजोरी या नकदी रखने की अलमारी या मूल्यवान आभूषण रखने की जगह उचित स्थान पर बनाना अत्यंत लाभकारी है। ऐसा करने से धन उचित मात्रा में संचित होता है और व्यर्थ के कार्यों में खर्च नहीं होता। किसी भी स्थान का उत्तरी कोना कुबेर का होता है इसलिय तिजोरी रखने का कमरा भी उत्तर दिशा में होना उचित है। ऐसा माना जाता है कि आपने अपना, धन कुबेर जी के पास रखवा दिया है। अब उसको सुरक्षित रखना सही कार्यों में खर्च करवाना व बढ़ाना कुबेर जी की जिम्मेदारी है।

तिजोरी का कमरा किसी स्थान के उत्तर में होना चाहिये। अब अगर हम उस कमरे की चर्चा करें तो अलमारी उस कमरे की दक्षिण की दीवार पर होनी चाहिये, जिसके द्वारा उत्तर की ओर खुलें। कुछ लोगों का मानना है कि ऐसा होने पर कुबेर जी अपने आप अपनी दिशा से आकर इसमें धन रख जाते हैं और इस प्रकार धन की वृद्धि होती है।

तिजोरी ईशाण कोण में होने से धन हानि निश्चित है। आग्नेय कोण में तिजोरी होने से अनावश्यक व्यय वृद्धि होती है। नेरुत्य कोण में तिजोरी होने से कुछ समय तक तो धन के संग्रह में वृद्धि सी प्रतीत होती है परन्तु शीघ्र ही यह धन किसी दुष्कर्म अथवा चोरी आदि के कारण नष्ट हो जाता है। इस दिशा में तिजोरी जातक को बुरी आदतें भी देती है जैसे मदिरापान, जुआ, बुरी संगत आदि और इन सब चीजों में वह पैसे बर्बाद करता है।

तिजोरी के कमरे में तिजोरी दक्षिण दीवार पर एक-दो इंच आगे की तरफ और आग्नेय और नेरुत्य कोणों को छोड़कर रखनी चाहिये। तिजोरी के कमरे में केवल एक ही प्रवेश द्वार, जिस पर दो दरवाजें लगे हों, अत्यंत शुभ माना गया है। इस कमरे का आग्नेय, नेरूत्य, वयाव्य तथा दक्षिण दिशा में दरवाजें नहीं होना चहिये। तिजोरी के कमरे का प्रवेश द्वार यदि पूर्व, उत्तर या उत्तर-पूर्व में है तो अत्यंत शुभ है। उत्तर में द्वार होने पर उसके बिल्कुल सामने तिजोरी न रखे। उसे थोड़ा सा सामने से हटाकर रखें। तिजोरी के कमरे में उत्तर या पूर्व में कुछ ऊंचाई पर छोटी खिड़की या रोशनदान होना शुभ माना गया है।

कुछ अन्य महत्वपूर्ण ध्यान रखने योग्य बिन्दु:

- कोषागार वर्ग या आयताकार होना चाहिये।
- तिजोरी के सामने वाली दीवार परिवार अर्थात् उत्तर की दीवार पर कोई तस्वीर आदि न लगाएं चाहे वह भगवान की ही क्यों न हो। तस्वीर लगाने के लिये पूर्व या पश्चिम की दीवार का इस्तेमाल करें।
- तिजोरी हमेशा पैरों वाली होनी चाहिये अर्थात् वह सीधा किसी चीज पर पूरी न टिकी हो। यह जातक को वित्तीय आत्मनिर्भर नहीं होने देती। ऐसी तिजोरी या अलमारी मूल्यवान वस्तुएं या धन रखने के लिये त्याज्य हैं।
- तिजोरी कभी हिलनी-डुलनी नहीं चाहिये। यदि यह हिलती है तो इसे हिलने से रोकने के लिये ईंट, पत्थर की जगह लकड़ी का इस्तेमाल करना चाहिये।
- कोषागार में कहीं भी मकड़ी का जाल नहीं होना चाहिये।
- उस कमरे में ऊँचाई बाकि कमरों से कम नहीं होनी चाहिये।
- कोषागार का फर्श हमेशा समतल होना चाहिये। फर्श का टूटा फूटा होना अशुभ है।
- तिजोरी में सुगंधित सामान जैसे क्मवए Perfume, अगरबत्ती, पुष्प आदि नहीं रखने चाहिये।
- कोषागार में पीला रंग सर्वोत्तम है।
- तिजोरी हमेशा सीधी होनी चाहिये। वह किसी भी और झुकी न हो।
- तिजोरी किसी धातु के सामान के ऊपर नहीं रखनी चाहिये।
- उत्तर दिशा के स्वामी कुबेर है और उनका ग्रह बुध है इसलिये कृष्णपक्ष के बुधवार के दिन तिजोरी की पूजा करनी चाहिये, यह बहुत शुभ फलकारी है। मार्गशीष के महीने में प्रत्येक बृहस्पतिवार व शुक्रवार को तिजोरी की पूजा करनी चाहिये।
- तिजोरी यदि अलमारी में है तो मध्यम या ऊपर के भाग में हो नीचे न हो।
- कोषागार में काला, नीला व लाल रंग इस्तेमाल न करें।
- बीम के नीचे तिजोरी नहीं रखनी चाहिये।
- तिजोरी के शुभ मुहुर्त-श्रवण, धानिष्ठा, स्वाती, पुनर्वसु, शीतमीषा, तीनों उत्तरा व रोहिणी शुभ नक्षत्र हैं। सोम, बुध, बृहस्पत व शुक्र शुभ वार हैं।
- बैंक आदि के स्ट्रांग रूम का भी यहीं विधान है। इन तरीकों को अपनाने से कोई व्यक्ति इच्छित धन के साथ सुखमय जीवन यापन कर सकता है।

अलकेश गुप्ता